आकाश गंगा की कहानी
एक चिरोकी कथा

जोज़फ बुरचैक

चित्र: विरजिनिया ए स्ट्राउट

हिंदी: जलज शर्मा

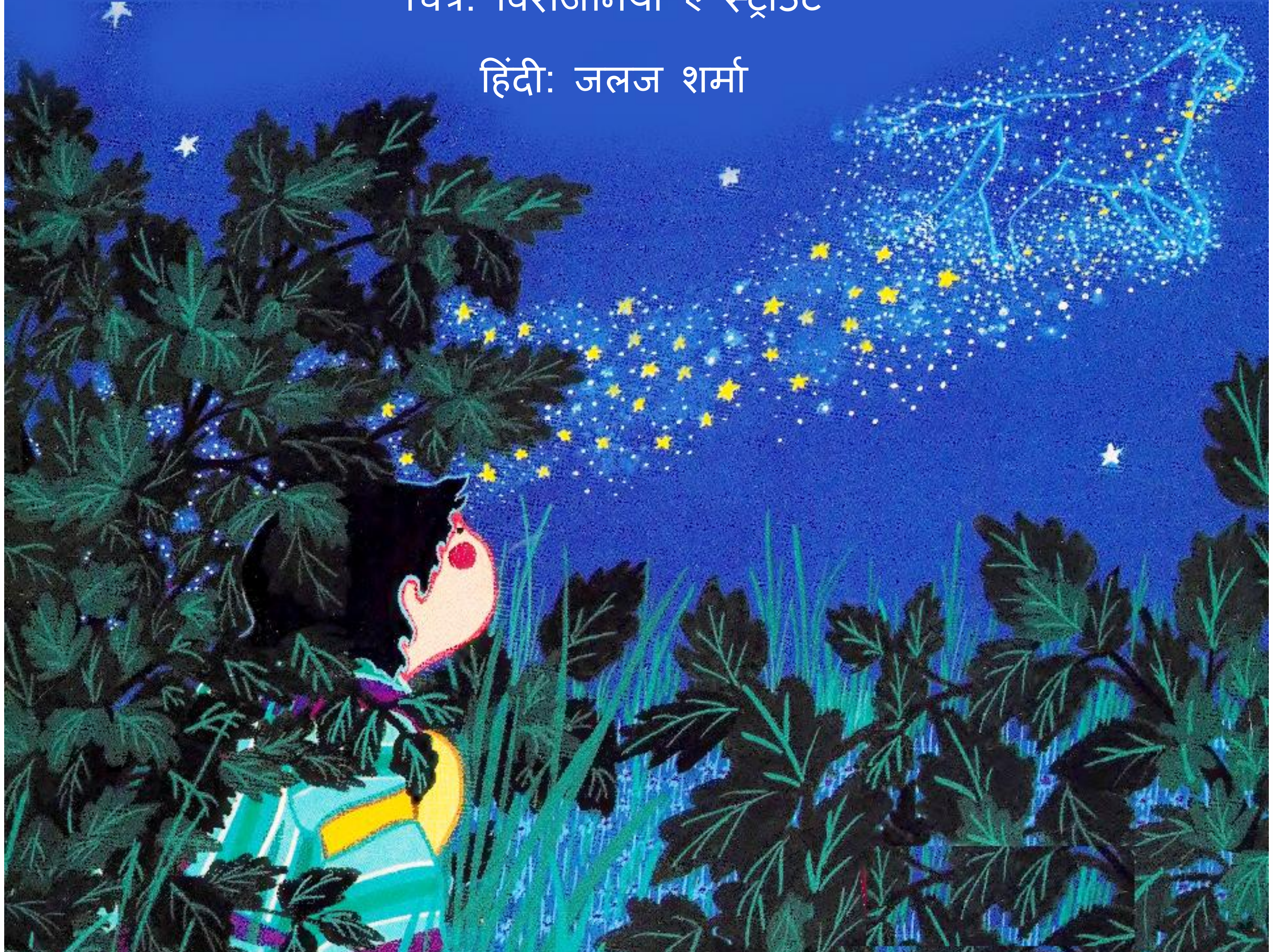

आकाश गंगा की कहानी
एक चिरोकी कथा

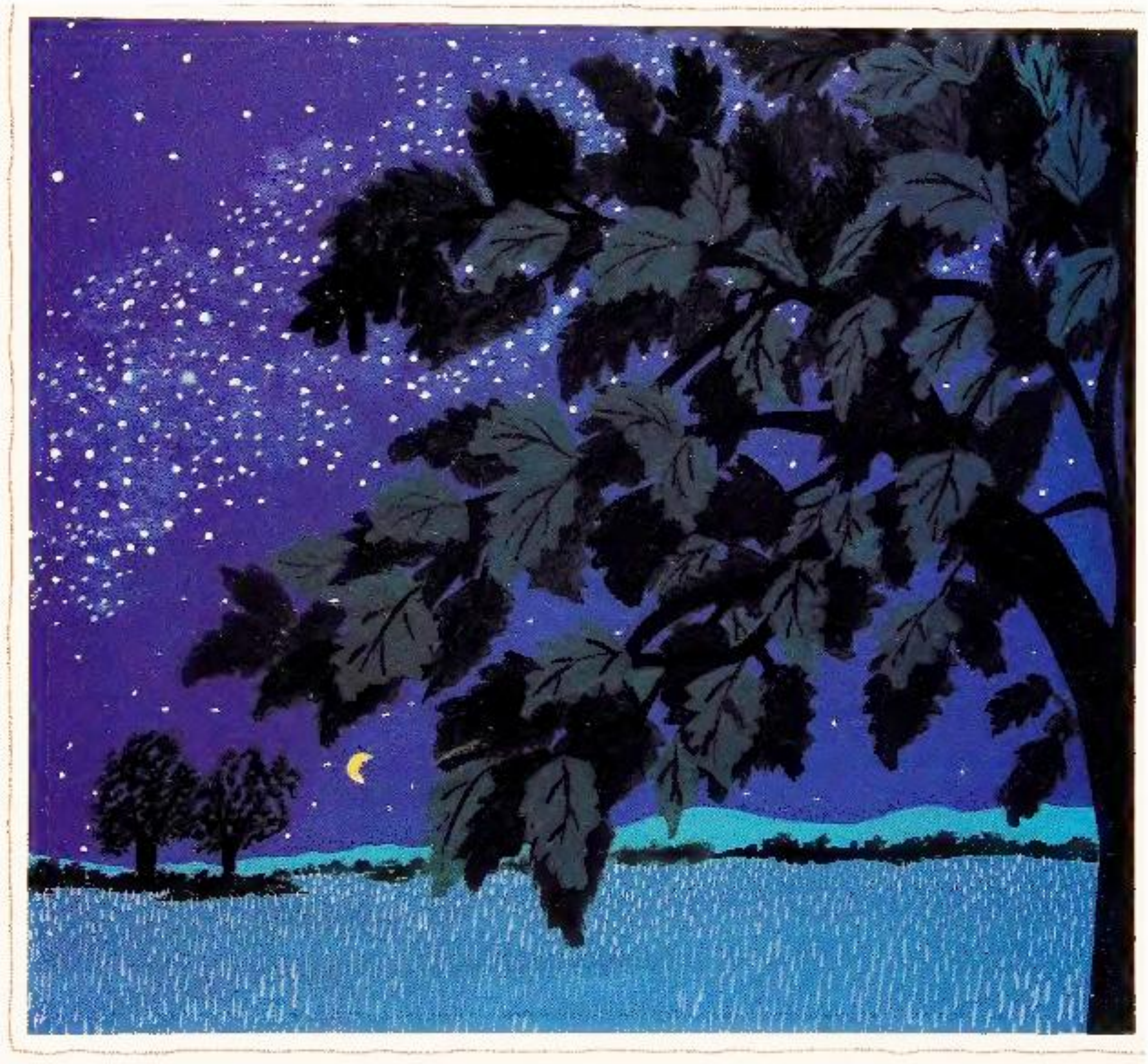

जोज़फ बुरचैक

चित्र: विरजिनिया ए स्ट्राउट

हिंदी: जलज शर्मा

उन सभी बच्चों के लिए जिन्होंने सीखा है कि
देखने से पहले महसूस करना चाहिए: जे बी

दादी मां एनी की याद में: जे बी

ताना और त्सालि के लिए मां द्वारा: वी ए एस

चित्रकार की टिप्पणी

इस पुस्तक की चित्रकला इतिहास की एक अवधि को दर्शाती है, 1800 के दशक की शुरुआत में, जब चेरोकी लोग अभी भी टेनेसी और जॉर्जिया के धुंधले पहाड़ों में अपनी मातृभूमि में रहते थे। उन्होंने गैर-इंडियन संस्कृति के कुछ हिस्सों को शामिल किया था-उदाहरण के लिए, इस समय में महान सेक्वोया ने एक ऐसी प्रणाली आरंभ की थी जिसने चेरोकी लोगों को उनकी लिखित भाषा दी थी, और उन्होंने अपने कपड़ों को लैदर स्कर्ट और ब्रीच-कपड़ों से मेरी कला में दिखाई जाने वाली पोशाक की शैली में पहनना शुरू किया था-जबकि कई परंपराओं को बनाए रखा था।

यह ऐतिहासिक अवधि अल्पकालिक थी और 1830 के दशक के अंत में चेरोकी लोगों को उनकी मातृभूमि से जबरन हटाने के साथ समाप्त हुई, "ट्रेल ऑफ टियर्स"। इस विश्वास में कि रचना की कहानियाँ हर समय मे पाठकों को रूचिकर लगती हैं, मैंने इस समय में द स्टोरी ऑफ द मिल्की वे की स्थापना की है जो एक कलाकार और ओक्लाहोमा के चेरोकी राष्ट्र के सदस्य दोनों के रूप में मुझे प्रिय है। - *विरजिनिया ए स्ट्राउट*

कहानी का उद्‌भव

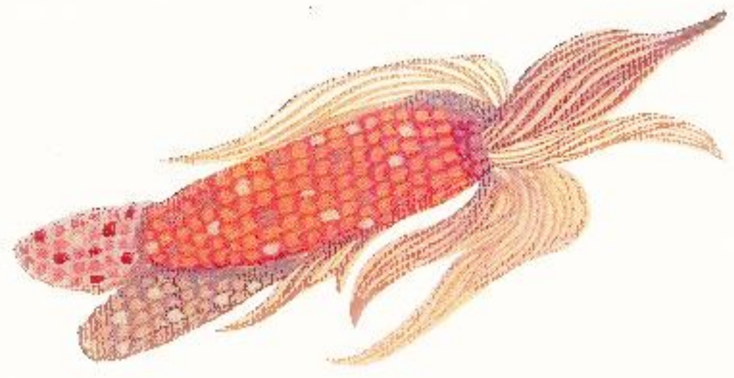

कई चेरोकी मित्रों ने पिछले कुछ वर्षों में इस कहानी को मेरे साथ साझा किया है, जिसमें एक चेरोकी उपन्यासकार रॉबर्ट कॉनली और एक चेरोकी कवि जीन स्टार भी शामिल हैं, दोनों ने अपने लेखन में कहानी के संस्करणों को शामिल किया है। कहानी के अन्य संस्करण कई प्रकाशित संग्रहों में पाए जा सकते हैं। जेम्स मूनी की मिथ्स ऑफ द चेरोक सबसे शुरुआती किताबों में से एक है।

मैंने पहली बार यह कहानी तब देखी, जब मैं एक बच्चा था और अपने दोस्तों के साथ एक सप्ताहांत शिविर में साझा करने के लिए एक कहानी ढूंढ रहा था। मुझे यह एक छोटी सी पुस्तिका में दिखाई दी जो मेरी दादी ऐनी की थी - जिसे, मुझे बाद में पता चला, जेम्स मूनी संग्रह से पुनः मुद्रित किया गया था। मेरे पास कहानी का एक टाइप किया हुआ प्रतिलेख भी था जैसा कि दादी ऐनी, एक चेरोकी कथाकार ने बताया था। उनके संस्करण में बूढ़े जोड़े पर जोर दिया गया था और लोगों द्वारा बुजुर्गों से चोरी करने वाले किसी भी व्यक्ति के लिए गुस्सा महसूस किया गया था।इस तरह से मैंने हमेशा कहानी सुनाई है। जो ब्रुचैक और मैंने महसूस किया कि उस बुजुर्ग की पहचान करना महत्वपूर्ण है जो चोरी की पहेली का समाधान प्रदान करता है। चेरोकी में बुजुर्गों में सबसे प्यारी महिला सबसे अधिक सम्मानित होगी। हमने महसूस किया कि शक्तिशाली महिला हस्तियों के बारे में पर्याप्त जानकारी नहीं है जो चेरोकी परंपरा का हिस्सा हैं। "हमने अपने संस्करण में पोते के चरित्र को जोड़ा ताकि हर जगह बच्चे अपने दादा-दादी के लिए जो प्यार महसूस करते हैं, उसका प्रतिनिधित्व कर सकें।"
- *गेल रॉस*

यह बात मुझे बचपन में बूढ़े लोगों ने बताई थी।

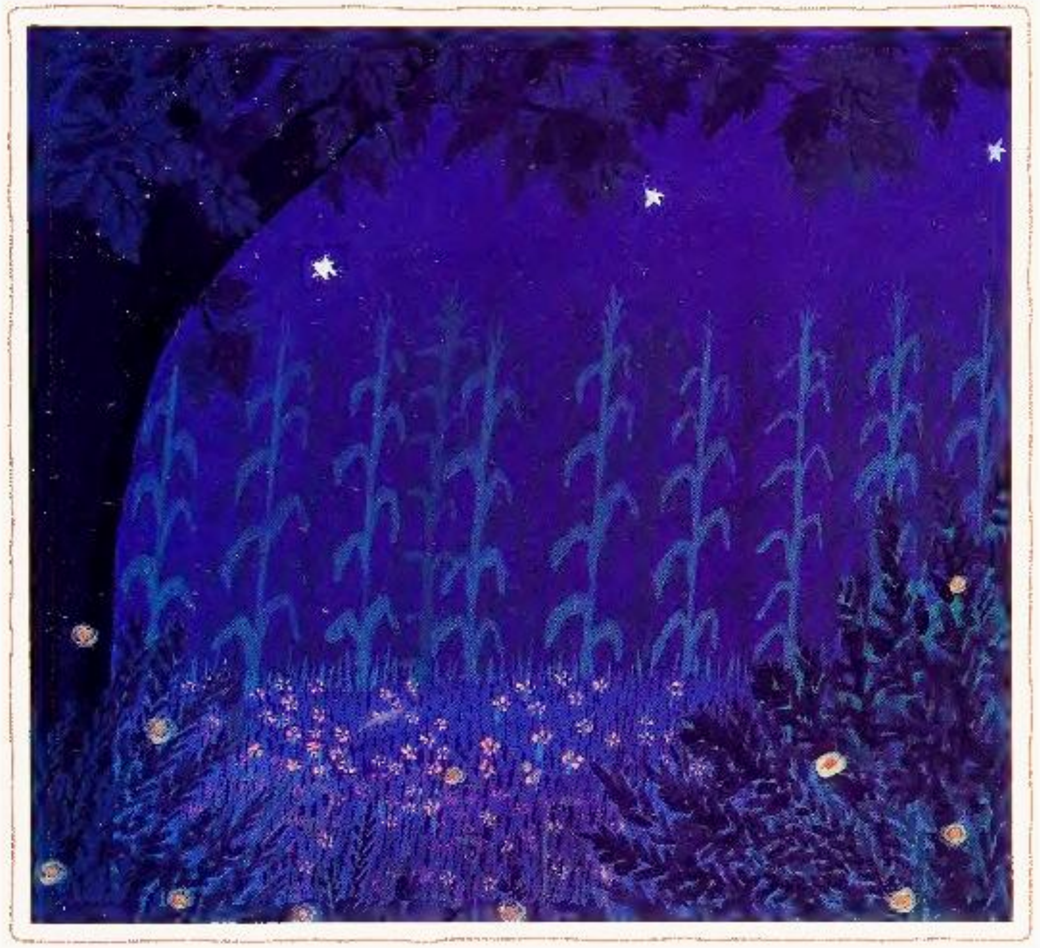

बहुत पहले जब दुनिया नई थी, तब
आसमान में बहुत सारे सितारे नहीं थे।

उन दिनों में लोग भोजन के लिए भुट्टे पर निर्भर थे।

वे इसे पीसकर अपने घरों के पीछे डिब्बों में बंद करके भण्डार में रखते थे। मकई के आटे से बनी रोटी अक्सर सर्दियों के लंबे महीनों के दौरान उन्हें भूख से बचाती थी।

एक सुबह एक बूढ़ा आदमी और एक बूढ़ी औरत मकई के भोजन के लिए अपने भण्डार में गए। वहाँ उन्होंने जो पाया उससे उन्हें बहुत परेशानी हुई। ढक्कन डिब्बे से बाहर था, अंदर का स्तर एक हाथ से गिर गया था, और मकई का आटा जमीन पर बिखरा हुआ था। निश्चित रूप से गाँव में कोई भी बुजुर्गों से चोरी नहीं करेगा! फिर चोर कौन हो सकता है?

उन बूढ़े जोड़े का एक छोटा पोता था जो उन्हें बहुत प्यार करता था। जब उसने चुराए गए मकई के आटे के बारे में सुना, तो उसने फैसला किया कि वह चोर को पकड़ेगा।

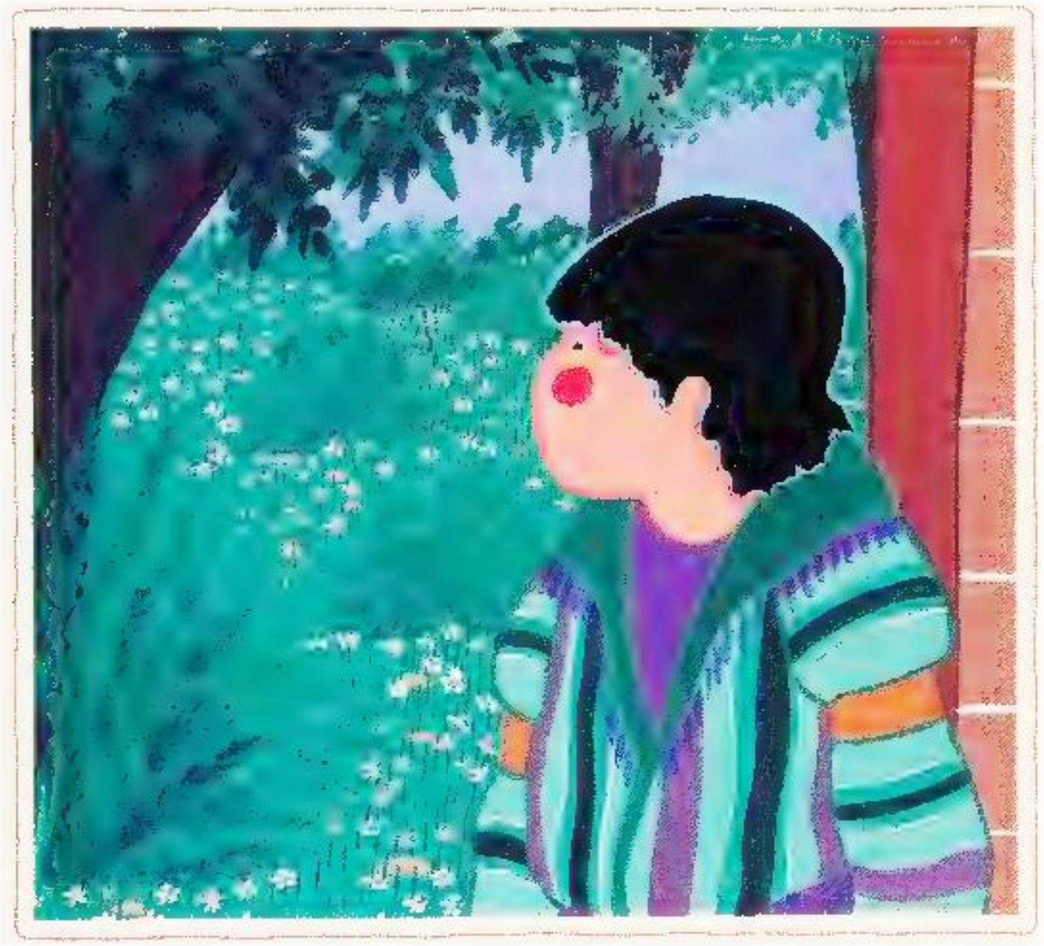

उस रात जब सूरज छिपा गया और चांद अभी
उगा नहीं था तो वह अपने दादा दादी के घर गया

और मक्का के आटे के डिब्बों से
कुछ दूर छिप कर इंतजार करने लगा।

आधी रात के बाद, लड़के ने खेतों में से एक अजीब रोशनी अपनी ओर आती देखी। जब वह करीब आया तो बच्चे ने देखा कि यह एक बड़े कुत्ते के आकार में था। कुत्ते ने डिब्बे का ढक्कन खोला और खाने लगा। जब उसने मकई का आटा पेट भरकर खा लिया, तो वह मुड़ गया और जंगल में भाग गया।

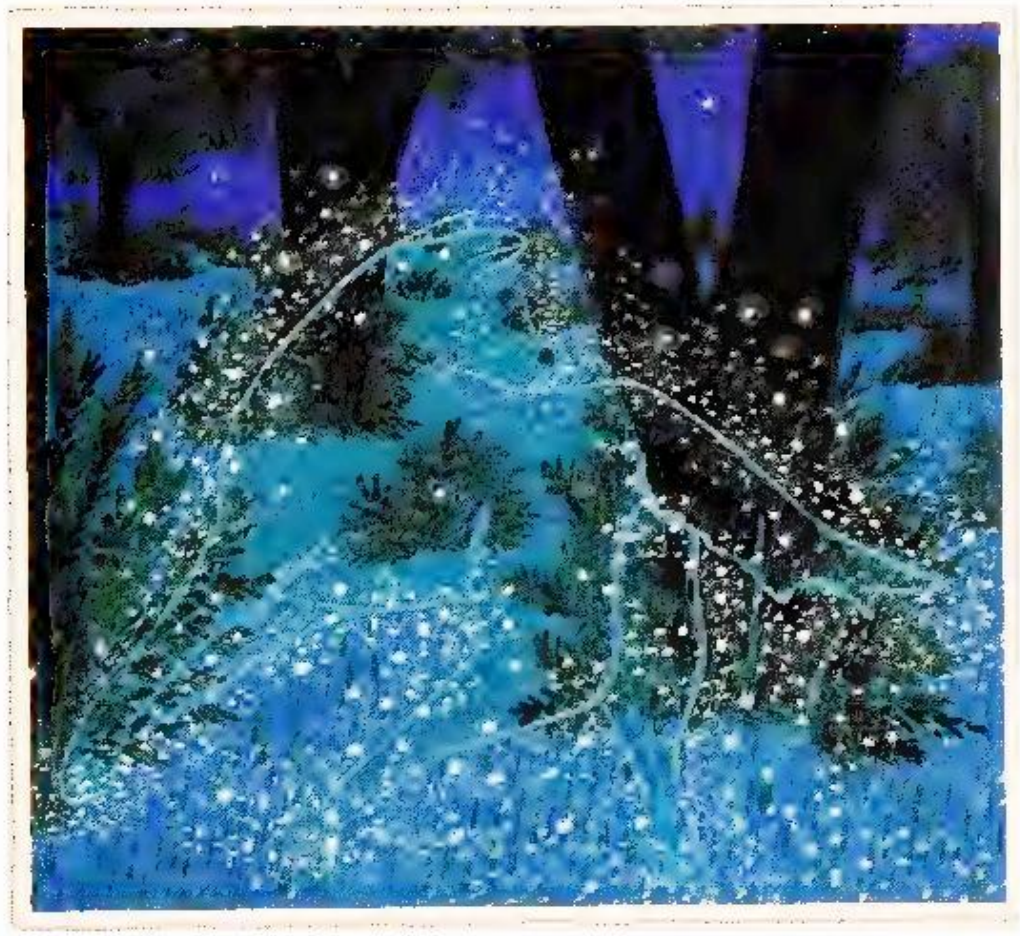

लड़का अपनी छिपने की जगह पर लेटा हुआ था, उसे विश्वास नहीं हो रहा था कि उसकी आँखों ने क्या देखा था।

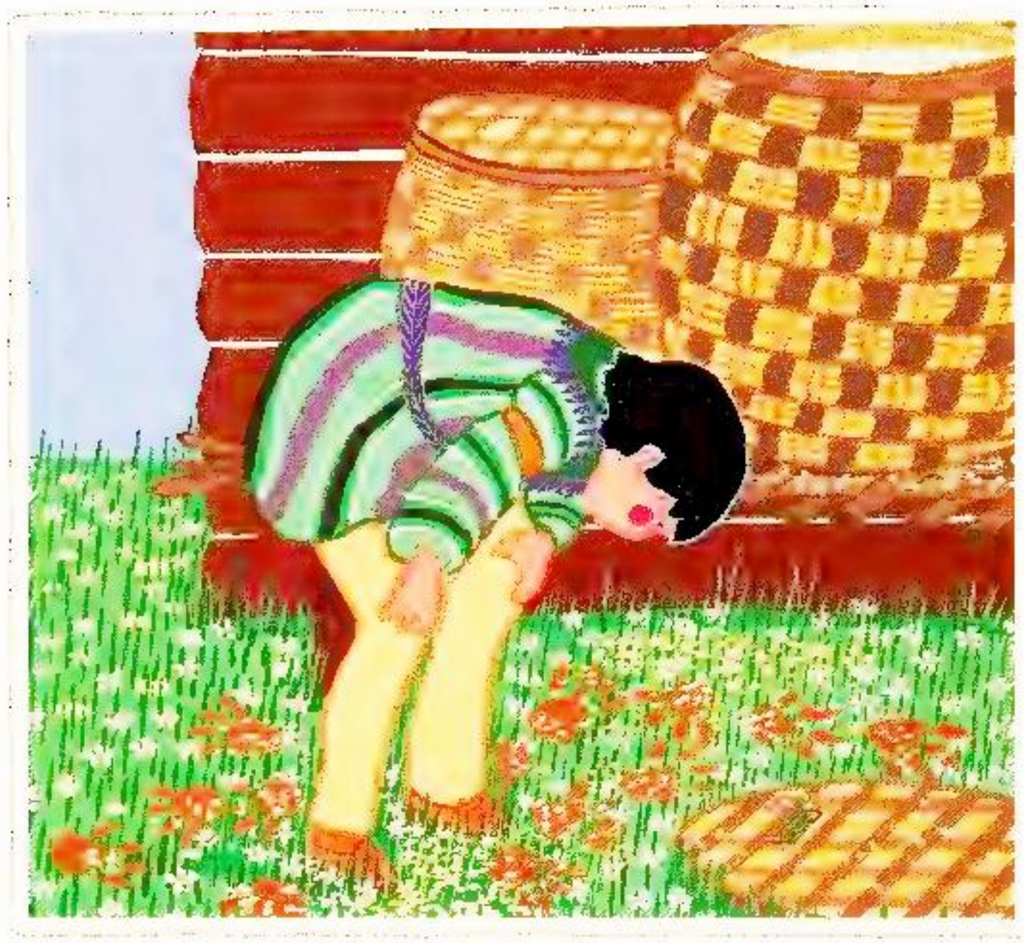

लेकिन सुबह, डिब्बे के चारों ओर बिखरे हुए अनाज में, उसने एक विशाल कुत्ते के पैरों के निशान देखे। जब लड़के ने लोगों को बताया कि उसने क्या देखा था, तो किसी को समझ नहीं आया कि क्या करना चाहिए। इसलिए उन्होंने लोगों ने एक समझदार, सबसे प्रेम करने वाली महिला के पास जाने का फैसला किया। वह बूढ़ी और बुद्धिमान थी और बहुत सी बातें समझती थी।

जब उस प्यारी महिला ने निशानों को देखा, तो उन्होंने कहा, "ये एक ऐसे कुत्ते के निशान हैं जैसा इस पृथ्वी पर कोई नहीं है। यह एक आत्मिक है और इसमें बहुत शक्ति हो सकती है। हमें बहुत सावधान रहना चाहिए। "प्यारी महिला ने लोगों को अपने सभी ढोल और कछुओं की खाल से बनी गोल ढपलियों को इकट्ठा करने का निर्देश दिया।

"हम मक्का के डिब्बों के पास छिप जाएँगे और प्रतीक्षा करेंगे," उन्होंने कहा। "जब विशाल कुत्ता आएगा तो हम बहुत शोर मचाएँगे। इससे वह इतनी बुरी तरह से डर जाएगा कि वह कभी वापस नहीं आएगा।“ लोग जल्दी ही अपने ढोल और ढपलियां ले आए।

फिर वह उन बुढ़े लोगों के मक्का के भण्डार के पास छिप गए। जल्दी ही अंधेरा हो गया और आकाश में कुछ तारे टिमटिमाने लगे।

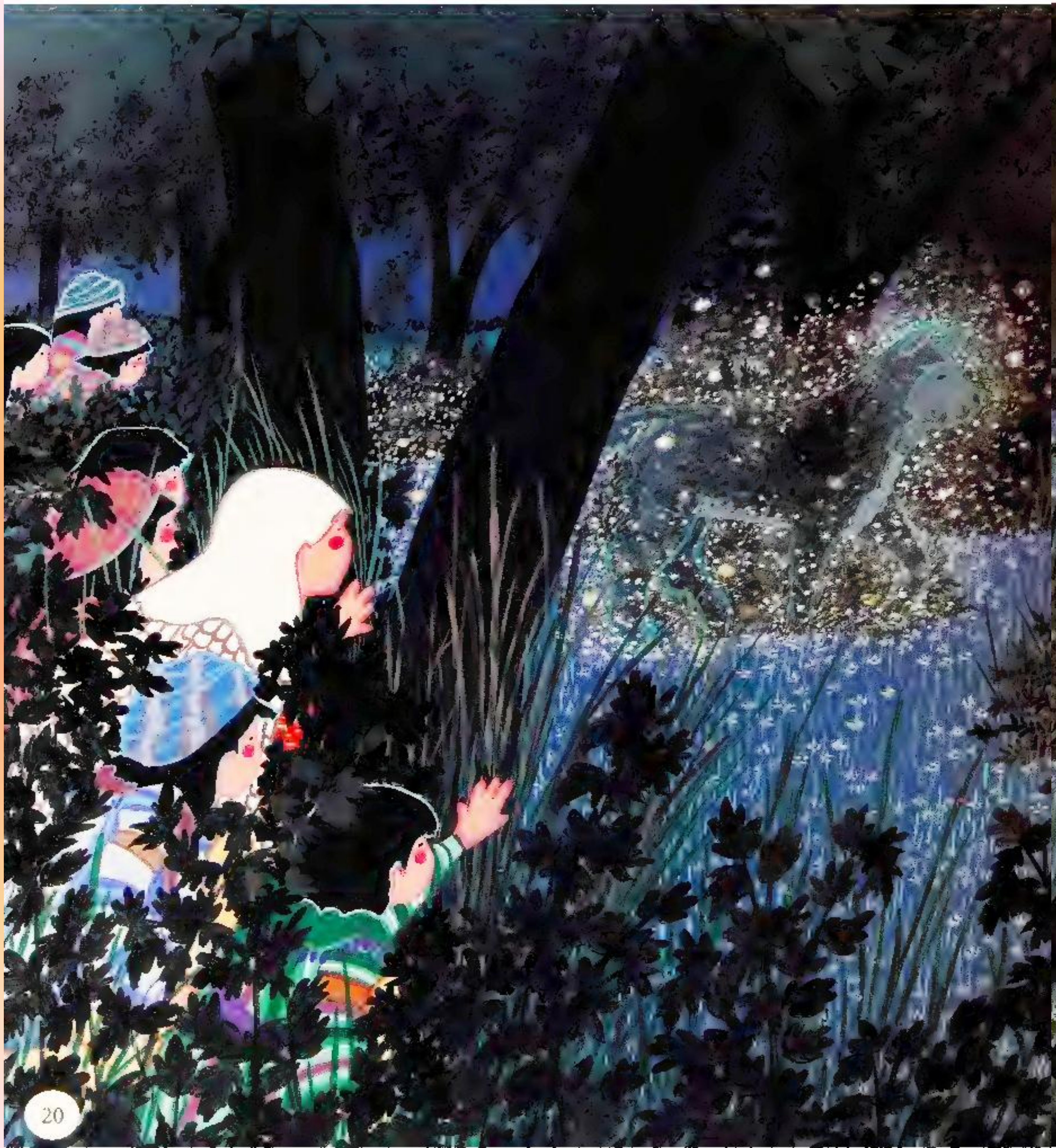

कुछ समय बाद उन्होंने देखा कि एक बहुत बड़ा, चमकदार कुत्ता, खेतों में से निकलकर उनकी तरफ आ रहा था।

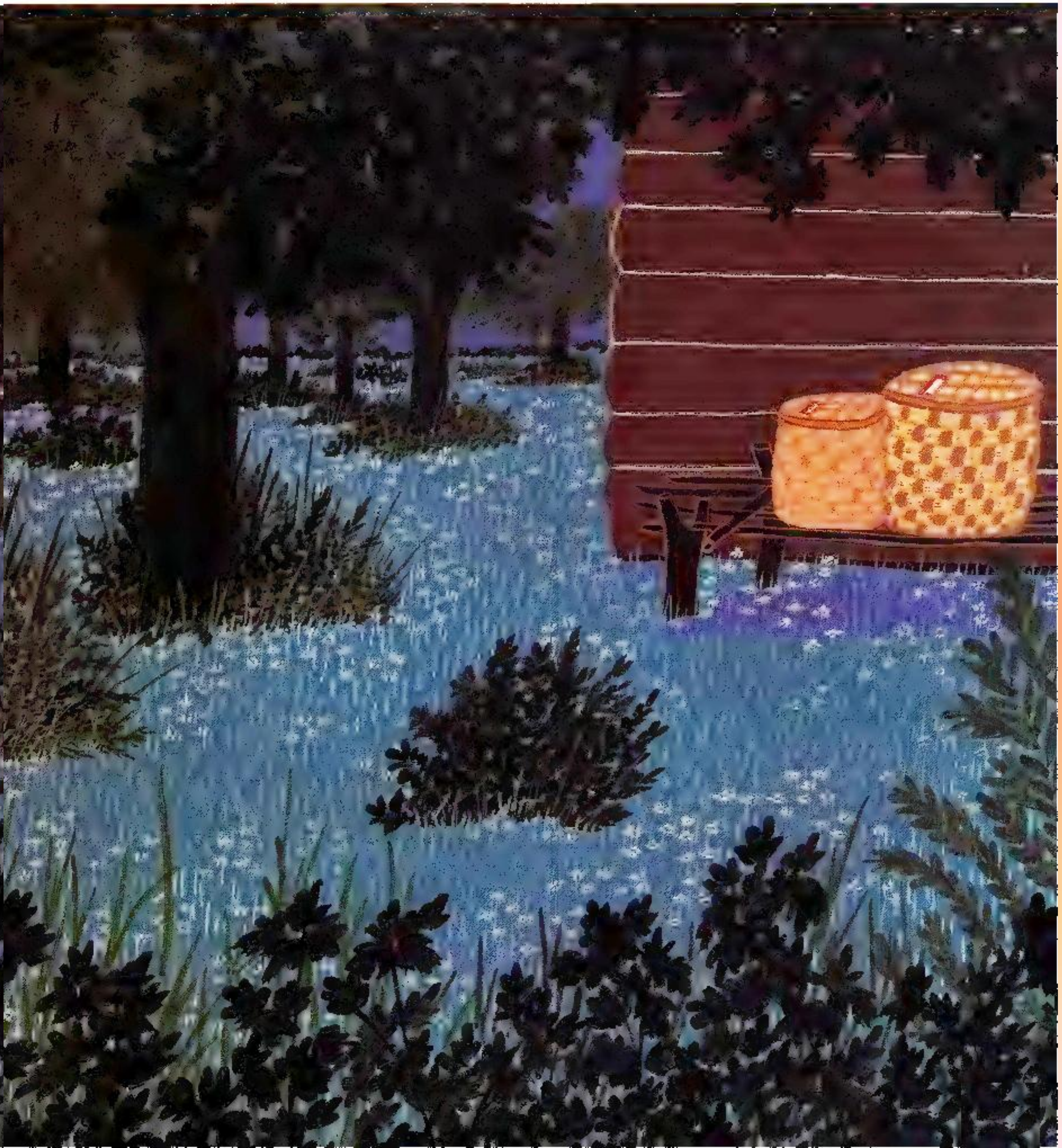

वह इतना बड़ा था कि लोग उसे देखकर डर गए और वहां से भागने की सोचने लगे। पर वह बुद्धिमान महिला बोली," डरो मत, बस मेरे इशारे का इंतजार करो।"

चमकीला कुत्ता अंदर आया और वह आटा खाने लगा। उसने अपने बड़े मुंह को सफेद मकई के आटे से भर लिया।

"अब!" वह बुद्धिमान औरत चिल्लाई।

फिर सभी लोग खड़े हो गए, अपने ढोल
और अपनी ढपलियां बजाने लगे :

ढम्-ढम्-ढम्म: ढप ढप ढप।
ढम्-ढम्-ढम्म: ढप ढप ढप।

बड़ा कुत्ता डर से उछल पड़ा और भागने लगा, लेकिन लोगों ने उसका पीछा किया, वह अपने ढोल और ढपलियां बजाते हुए उसके पीछे-पीछे भागने लगे।

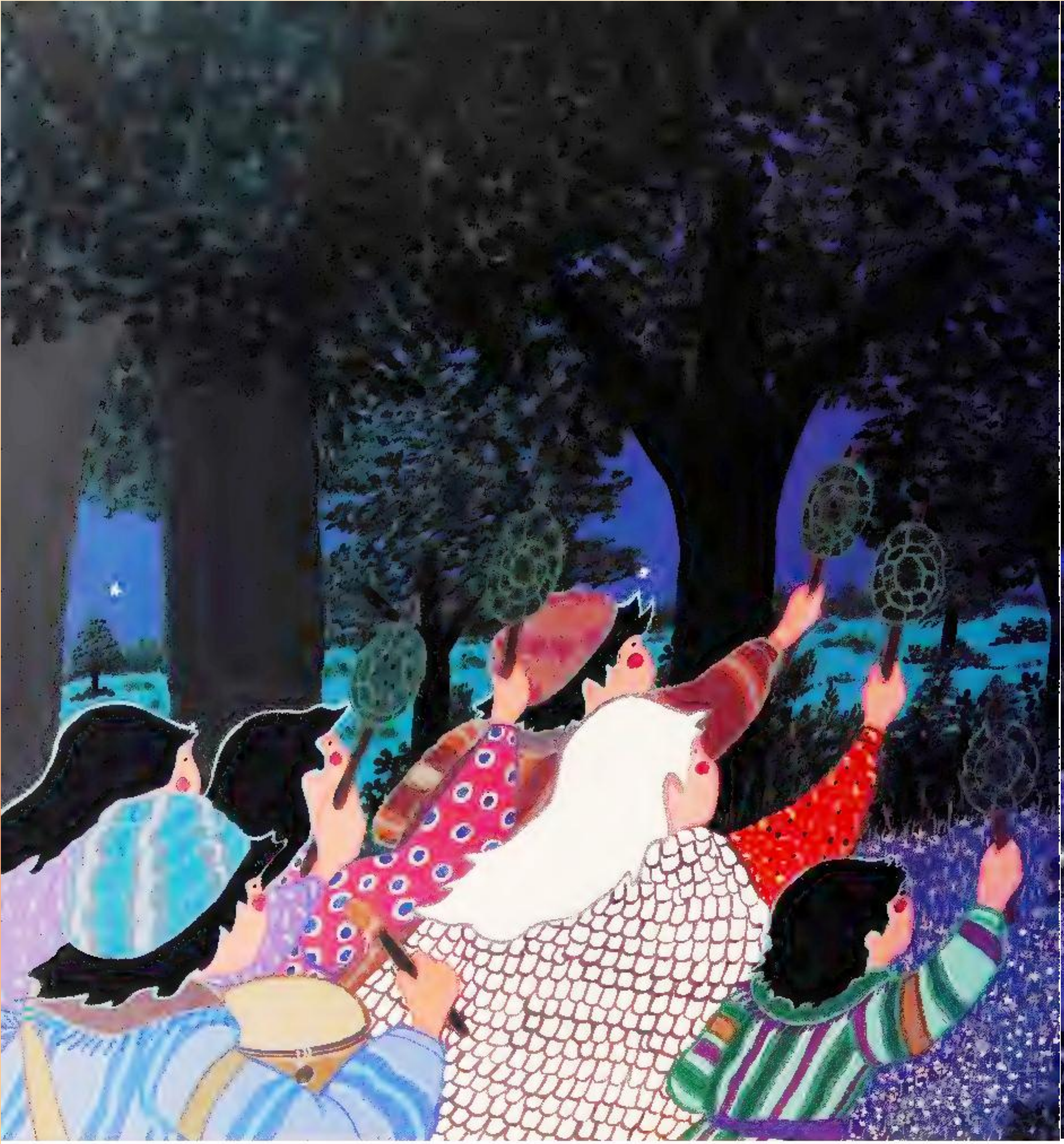

वह शानदार कुत्ता अपने मुंह से सफेद मकई का आटा गिराते हुए आगे आगे भागता रहा।

भागते-भागते वह पहाड़ी की चोटी पर पहुंच गया और फिर वह उछला और हवा में भागने लगा।

वह हवा में दौड़ता हुआ उनकी नजरों से ओझल हो गया। पर उसके मुंह से गिरा हुआ मक्की

का आटा रोशनी की एक चौड़ी पट्टी के रूप में वहीं रह गया। मक्की के आटे का हर कण गिरकर एक तारा बन गया था।

जैसा कि उन समझदार महिला ने कहा था वह चमकीला कुत्ता फिर कभी उन्हें परेशान करने वापस नहीं आया। पर जहां वह कुत्ता दौड़ा था वहां तारों का एक प्रतिरुप बन गया जिसे चिकोरी लोग 'गिल्लीउटसूनस्टैनअंन-यी'

(गिल- ली-ऊट-सून- स्टै-अन-यी) अर्थात वह स्थान जहां कुत्ता दौड़ा था। और इस तरह आकाश गंगा का निर्माण हुआ।